एकमान अक्रान्ति । हमप्त वास्वयंन 上世代 四 9000 ० प्रक्रम म नम्बर्ग व्यक्त नमन य ने कर । एक 4443 B भुद्राहर यहाँ वर्णा व्भव्ये है व्याममा दिरल्य थर्ड Egora E मरेठवर जर्मिय मन वल्नकन ह इमेमचीर माज्ये अमान E 0 0 10 द्रमधः भर्मान न निवन उर्द्रा क्रिकिशियार्न में इच यार्न सुर्ये वह के डाक्रिन प्रवास्था वर्ष वद्भिष्तीं नभाग्यान नहेर्ड नई गुंड हेरिन्ध्र नच्या SET, E123-न्यडः नुसु प्रमाम प्रथः गृीवण्य' माइड हिला स्थाप d. Har समियानिय । दि ग्रह्म वन 下的结束 रकारक निकास धारव न्द्रज्ञ । (37/4)

नुष्याने दर्गारे व्यद्भारता अः रसन् नाये यनेणभानि । अश्या १ भारे प्राप्ति । मार्गि अथाण्ड । इयर्ड येडेक्मिनिद्विष्ट्यानि ार्रिक्मभारिक्रस्यह गायस्त्रभाग्यार्थिक न्त्रयम्भन्द्व १। यद्वमभा नेगीक्नमण किल अवसंखारणणभूज ८वः भिन विष्टनग्राधाउभवाष रगम्य पनकर् यद्भमा उपम्पाय रिद्र नीमाद उप मस्य रिव्यू उउ:मिन्यक्लम् स्राह्म क महावारणमान उड्डा अहमाड तेष सहये ० रवप ३ विवश्रे 3 हमाय द वर्ण्य न (भर्य) विध्या विक्रवे उ हस्त्यमहे ।। एउ वे म्युर्म् वे न। इ दुन्व र विद्या नव्यक् गल्याय स्वयं मस्मम्हरि TANKE HEREN OF THE PROPERTY OF からののはいっている PLAS SOLDER STANDER

वर्णनमानीय मांभिति किसे ये अप मीधीमंदन भड़िल्ल्याये न्यये अद्भम इर्षि रिदेली भित्रापमहाभमे के सहय के बासकेष कि है: सक्यक्टे उन्हारिह् यहवेर्यहः देनकः १५४ छ्याधाः च्यमहेन ममसम्य भवमार लीव रानं हिगायहेन भः । निमाक्राय । क्यूराय । भेमध्यात्रकार्थं मद्भमः वर्षाद्रक्रनम्ह इष्टि मलपा नरे दिलीभाग्यसमाः का अहस ७ वस्त्रेष्यम्यम् नुड्यं हे इन्हा क्षःमार्वदेवः प्रभी भयाक्राधर्यामा लमीरल उद्गेष्ट्रं भन्दास्विति इर्डेडेथ उन्धितिरक्तरण सम्भद्ध क्लमारियक्र ने न्त्रभड्कित्र ॥ व्याप्त्रक्ष प्रमुक्त **७न वेडवक्नियव ५न अहमाई भव ५न १६** भारतभार हे सम्बन्धित है अपने सामान विमित्रिश्न मेर्घमन स्मार्थि के मन्ध्र उत्रः मेक्डध्य यरेणमान्भवत्रक्ष उद्रः भवः विभागवार्वे इडः महर्मिश्ययमण्डे एव नेयम्बिए अधिवार्ष उद्गानिम् युर्वियं एकं जी रयुर्ग कि तीयं भ्रम्य ह यच्यमहारि रेडियाययहभम्हारि के सर् यण्डाविन इति न्यापाय वर्धिया हि इस्ट्रिड्ट श्रम्भि वर्षेत्र भि सेट्र ह माने।। भाभ इंड्रस

一日の स् रविश्वयवना भ निर्देश मार्थ ००३ ३३: १ विक्रा विष्मी विषद् १ वर्ग उध्यक्ष मने प्राप्ति १ क्रिक्मिनि मीमा मामा प्राप्त न इक्ला याउणभानित्रियाः यद्रभभ मुभाउक्नमा अनिय उउड स्टेंडिक वर रेडिनी भड़ियो। क किहरे वर महर्य ७ उदि ब्रंग्य यह न्डर्केट् उद्देश्टिड लेक् में द्वाराभीकेन रहःस्व देशः रहना रहना हामा नायहक्तः विद्य नग्म रूप्येवाः अव देनिवित्र । अने भेग्या भिरापे ०.३॥ विद्वरेवाः इच्चेवमन्यप्तयान् शहाहारा उन्ड प्राच्यामानिकः क्रीन एक विश्वमेनः निष्मीम अववयक्षी उउन् महिमं यो उन्मित्र के उद्दर्भ ज्ञान ॥ गुःयवित्रनं विकृत गण्यरीय इन निष्म म अववर्णन इडः राष श्रिक्श्वरं इद् उिद्ये । नाउमे एहे उद्याप उन्न नप १५०

भूशियद्विक उन्तर्भ टाउरिष्ट कि ने बेर्ड अलाने नियाने १५५: १रीभाष्ट्र इर इर १ रियननं उडेम म्य येयगीने उडः P3'रे पा: 57:254 श्राम्य किंद्रभी उर्ध्यता स्वेह विभन्न ३ उउः मिष् नियमित कनमधक ॥ अभने सि उद्यान न्यम्बर्धरोष्ट्यनि भेलमभी क्रियान्यम् व महम्प्रमुक्त विष्म सहसर नर्सित्रका म्हें यत्रे स्टें वसरहारियानि। वस्यानमाम्बर्भा इन्सम्बिर्मा रिष्ट्रभार्डने इते इन अन्मभावामी भद्रकिण्नेन्यंहर नज्ञानमित्रिं एउ निव्युम्यय वस्प स्क्रियपेश यह कि हे येप निषद् रुभिडवेदम रिक्डा क्रीउभवानिक न्मेवभान्यः द्राप्रमयन्यश्ची इभनिविति।। अपक्राधिर्यम् स्वेभिन्न वर्षे अन्य भागतिहरी देश उर्द्य प्राप्त र अनिक्षित प्रकार सम्बन्ति प्रमानि ॥

जनक अस्था अग्रहरू उन्देशक अर्थाभा नुभनिभ भावमेप सहभेशतभड़ने। शहराहरायेग्र रेम्बिन रिविभवा नुमेर्ना ग्रम र्या इयत्म हुउउ । यह गञ्च ने उपार पर्भरादिक्रयम् गावश्रद्देशयेन इय मिद्रिशिहरुमें। नुभक्षक्रममेश्रयपिष्ठ इपिन् देउपे सम्या हिथउप मम् एक जयमा इस्पे अला देशिक समा किल्ला ग्रडं मीम यक्भल मार्मिन भरू ये। विच भगितिरायम्भिदिरायोदभः। उगवरे व्देवमभूरभवंषिठद्यि पाउँ अत्मभू ने भिर्म मनुभमेन् अभी । सुमुग्रिमे मुद्रम यर दिक्र एम मेडिनेरिन मुंबिट इंस्सायंप्ड। भड़ेमनिमाग्राङ्गकाभुड रहे नहीं कल्पर भेणरण वा उतिभद्रिय। चभाजमभगरपिर, जमभाजकामगु यायकान्त्र माउन्हें भाभागाउँ। व वयश्वभ

म्हान्त्रेन्यम्भन्ने न्यय्युयम्भचे न क्रियल हुपायर भिलन कर पर्वेग प्रत माउकन्मनिण सन्भय्भयेयहिस्माउ भविश्वदभी यझभद्य जीति स्यानी भया उन्ने भागा द्वभभाग किर भुद्रे चल जान चुभा । यदि विष्ठ मनक्षव भारं नियम क्र प्रधारिउ संगमे दे उम् गर्ड जने कर १ च तः करण्या भन्य विषय भवन्या भया भाषिक इसवै चल इन जिन व प्राचित्र ग्रहारक्नेचयान्यस भड्नान्कः ज इम्हेंग्रंथभाष्ठभा प्रज्ञाधिर्यभारेऽ र्गित्तर्गापा पस्तर्गवणगञ्जादि उंग्राज्य भविमापि यं जीन सड इ. भर्य इन जाउ र द्वियायमान कि मिर्देशतिन सभा विमापडे भम्छे हे उद्याप द हले जा र नहन्द्र विक्रियक्ष यक्त विक्रियक्ष विक्रियक्ष मिन 5,3 ह तरा अव्ययन विशः ज र ।

इवनेभाइसम्सु यहनीयरेगरं भग इम्प्रभाग्य भाग्य जनज्ञ १ १ ५ प्र वगरयम्भवरुष्धमानिकः क्रियारण यसवराउम्डीनिन्तु ० समपुर न्संभड्ड न्याम्याम्यान् उरिश्वी भाष्ठे ज्वाकिन्डनभभ ०० भागाञ्च पथाणक्यिति ने मुख्यम साम्देशक यमग्रिक्कलानिए ०९ नमम् ५१व द्या वम् यन्भिन्भः । पद् प्रमाभ्य हं भेभन्न निमाः १३ ५१३ इनिमेश्स्तामण्यन्भन भ ः नुरु यमन्म से स नमञ्जू भमेर्डो १८ १९३ प्रयमग्रस्थारार्धियात्राः कार्किः तमस्य वह रहा विण्युः व्य हवा सीत्र भ्रमन्यप्रामन्भाष्यमः अस्प्रम्भ भचभाष्ट्रभनग्भे ग्राजिनाई दलेहिहेंदि मंभमादिर्द्धि भित्रियम्भा थ्यमः छतात्त्र का निर्देश हैं है है है ने अपरेट